

## ‘अमृत’ मशिन (AMRUT) के तहत देश के 500 शहरों में झारखंड के पाँच शहर शामिल

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिये अटल मशिन (AMRUT) के तहत देश के 500 शहरों में झारखंड के पाँच शहरों- देवघर, मधुपुर, बासुकनिथ, गोड्डा और महागामा को शामिल किया है।

### प्रमुख बटु

- केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने गोड्डा संसदीय क्षेत्र के इन 5 शहरों के कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिये पहले फेज में 50 करोड़ रुपए भी स्वीकृत कर दिये हैं। इस राशि से इन 5 शहरों में पानी की आपूर्ति, सीवरेज, शहरी परविहन, पार्क, आधारभूत संरचना जैसी बुनियादी नागरिक सुविधाओं पर काम होगा।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 में भारत सरकार ने कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिये अटल मशिन (AMRUT) शुरू किया था, जिसका उद्देश्य पानी की आपूर्ति, सीवरेज, शहरी परविहन, पार्क जैसी बुनियादी नागरिक सुविधाएँ प्रदान करना है, ताकि सभी के लिये जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके, विशेषरूप से गरीबों और वंचितों के लिये।
- मशिन का फोकस बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर है, जिसका नागरिकों को बेहतर सेवाओं के प्रावधान से सीधा संबंध है
- ‘अमृत’ मशिन के उद्देश्य हैं-
  - सुनिश्चित करना है कि हर घर में पानी की सुनिश्चित आपूर्ति और एक सीवरेज कनेक्शन के साथ एक नल तक पहुँच हो।
  - हरियाली और अच्छी तरह से बनाए हुए खुले स्थान विकसित करके शहरों की सुविधा मूल्य में वृद्धि करें।
  - सार्वजनिक परविहन पर स्वचि करके या गैर-मोटर चालित परविहन के लिये सुविधाओं का निर्माण करके प्रदूषण को कम करना।
- प्रमुख परियोजना घटक प्राथमिकता के क्रम में जल आपूर्ति प्रणाली, सीवरेज, सेप्टेज, तूफान जल निकासी, शहरी परविहन, हरित स्थान और पार्क, सुधार प्रबंधन और समर्थन, कषमता निर्माण आदि हैं।
- जल आपूर्ति और सीवरेज सेवाओं के सार्वभौमिक कवरेज का मशिन में पहला प्रभार है। बच्चों और बुजुर्गों के अनुकूल सुविधाओं वाले पार्कों के विकास के लिये परियोजना लागत का अधिकतम 2.5% आवंटन है।
- मशिन में 500 शहरों को शामिल किया गया है, जिनमें अधिसूचित नगर पालिकाओं के साथ एक लाख से अधिक आबादी वाले सभी शहर और कस्बे शामिल हैं।
- अमृत के लिये कुल परवियय रुपए वित्तीय वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2019-20 तक पाँच वर्षों के लिये 50,000 करोड़ रुपए थे।
- यह मशिन केंद्रीय प्रायोजित योजना के रूप में संचालित किया जा रहा है। परियोजना नधि को राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के बीच एक समान सूत्र में वभाजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की शहरी आबादी और सांघिक कस्बों की संख्या को 50:50 वेटेज दिया जा रहा है।

# ATAL MISSION FOR REJUVENATION AND URBAN TRANSFORMATION

## Key Features



Water Supply



Pedestrian, non-motorized and public transport facilities, parking spaces



Sewerage facilities and Septage management



Creating and upgrading green spaces, parks and recreation centres



Storm Water drains to reduce flooding

//